मानव भूमि भारत

राधाकांत मिश्र

सबने देखी थी वह शाम
बंदूकें उगल रही थी आग,
देखते देखते पट गया था
लाशों से जलियाँवाला बाग ।

सबने देखा था उस दिन
देश का सारा कच्चा माल
विलायत जाता था वहाँ करने
कारखानों को मालामाल ।

सबने देखा था उस दिन
लाठी टेक चलता एक बूढ़ा
मुट्ठी भर नमक बटोरने
पीछे था जन-समुद्र खड़ा ।

फिर दुनियावालों ने सुनी
वह ललकार-करो या मरो,
''यह देश हमारा है अपना
अंग्रेजो ! तुम भारत छोड़ो !''

फिर आई वह निराली रात
जब सारा संसार सोया था
देखने आजादी का सूरज
भारत हमारा जागा था ।

सूरज ने जब छुआ क्षितिज
लाल किले के शिखर पर
उड़ता था तिरंगा फरफर
मिला देश को नव कलेवर ।

आई नई जान देश में
खेतों में नई हरियाली,
नये नये कल कारखानों में
भरे माल और खुशहाली ।

बनें बाँध नहरें संयंत्र
आई देश में हरित्-क्रांति
चौकस सीमांत में संतरी
जीओ-जीने दो, अपनी नीति ।

विध्वंसक परमाणु तंत्र
पोखरण हरिकोटा के यंत्र
नहीं भूत, देवों के ये मंत्र
शांति-दूत जो सदा स्वतंत्र ।

रुकना नहीं है चरैवेति
आगे हम पीछे संसृति,
उठो जागो लो वरदान
मानव भूमि भारत महान ।

शब्द-अर्थ

पटगया - भरगया, कच्चामाल = मूलवस्तु जिससे कोई चीज बनाई जाए, मालामाल- धनवान, बटोरना- समेटना, जन समुद्र- लोगों का समूह, ललकार - आह्वान, निराली- अनोखी, चरैवेति - चलते रहो, क्षितिज - दिगंत, कलेवर- ढाँचा, रूप, संयंत्र-बड़ा कारखाना, क्रांति- आंदोलन, चौकस- सचेत, सीमांत- सीमा के अंत, विध्वंसक - ध्वंस करने वाला, संसृति - संसार, दुनिया ।

अनुशीलनी

भाव बोध और विचार :

(क) मौखिक :

(१) इस कविता को याद कीजिए और कक्षा में आवृत्ति कीजिए ।

(२) कविता में व्यक्त कवि के विचारों को समझकर सबको बताइए ।

(ख) लिखित :

(i) इस कविता में व्यक्त कवि के विचारों को अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) जलियाँवाला बाग में किसने गोली-चलाई और क्यों ?

(iii) देश का सारा कच्चामाल कहाँ जाता था ?

(iv) लाठी टेक चलता एक बूढ़ा- किसे कहा गया है ? वह क्या कर रहा था ?

(v) 'करो या मरो' की ललकार किसलिए दी जा रही थी ?

(vi) आजादी के बाद देश में क्या-क्या परिवर्तन हुए ?

अनुभव विस्तार :-

(१) और कोई ऐसी कविता चुनिए जिसमें देशप्रेम का भाव हो । पढ़कर सुनाइए ।

(२) स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लेने वाले सेनानियों के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए ।

भाषाबोध :

(१) निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा कीजिए :

(क) लाठी टेक चलता .....
..... नमक बटोरने
पीछे थाा ..... खड़ा ।

(ख) फिर आई वह.....
..... संसार सोया था,
देखने ..... सूरज ।

(ग) रुकना नहीं है .....
आगे हम पीछे .....
उठो जागो लो ..... ।

(घ) ..... परमाणु तंत्र
..... हरिकोटा के यंत्र
नहीं भूत, देखो ये ..... ।

(ङ) खेतों में नई .....
..... कल कारखानों में
भरे माल और ..... ।

(२) 'क' स्तंभ के साथ 'ख' स्तंभ को मिलाइए :

'क'	'ख'
भारत	संतरी
चौकस	आग
बंदूक	लाठी
बूढ़ा	फरफर
तिरंगा	करो या मरो
ललकार	महान

(ग) इस कविता में से ऐसे शब्द लिखिए :

जैसे हरियाली – खुशहाली

(घ) इनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

आग, बाग, दिन, शाम, समुद्र, सूरज, मानव

(ङ) इनके विलोम शब्द लिखिए :

शाम –

बूढ़ा –

रात –

नव –

विध्वंस –

शांति –

(च) उपसर्ग ऐसे शब्दांश होते हैं जो, शब्दों के प्रारंभ में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता उत्पन्न कर देते हैं, या अर्थ को सर्वथा बदल देते हैं । उपसर्ग पृथक् करके लिखिए : जैसे - विदेश = वि + देश

कुविचार	–	आजीवन–
अनुचर	–	निवास–
प्रतिदिन	–	सुपुत्र–
विशेष	–	अनजान–